REPORT OF INCLUSIVE CHILDREN FESTIVAL 2024

On the occasion of International Day for Persons with Disabilities 2024, Asha Ka Jharna in partnership with The Hans Foundation celebrated Inclusive Children Festival on 5th December 2024 at S K Govt Senior Secondary School Sports Ground Sikar (Rajasthan). We invited 240 children from 12 regular (5 government & 7 private) schools and Two shelter homes for children in need of care and protection (orphans). They along with 210 of children with disabilities from our three special schools & three inclusive education project locations, one another NGO and 30 trainees from our teacher training institute participated in day long events.

Day started at 9.45 AM with dignitaries along with special children flagging off awareness rally Badhte Kadam (Let's Move On) comprising of 550 participants who travelled through main market of town. Play cards depicting equal rights, equal opportunity, education for all, accessibility, inclusion, participation in electoral process, community integration & empowerment through advocacy were flashed thereby sensitizing the society. More than 5000 community members along the rally path cheered up the children. Rally assembled at S K School Sports Ground at 10.40 AM where after settling down & relaxing, school team in charges got their children registered at the counter.

At 11 AM, tri-coloured balloons were let off to sky by the special and non-disabled children declaring ICF 24 open. In the second phase, 21 sporting & ability games were organized including 50-meter race, sack race, spoon race, jalebi jump, musical chair race, three-legged race, mehndi applying, gunshot, basketball throw, ring throw, bowling alley, balloon pricking while blind folded in which children participated enthusiastically. This year few new One Minute Fun Games were introduced including Identification of cartoon characters, Peeling off & eating oranges, Identification of objects while blind folded, To put bindis on self-face. In all sporting & fun events both disabled and non-disabled children were there attempting inclusion. Special children proved their talent by winning 30 prizes whereas non disabled students bagged 36 prizes.

After a sumptuous lunch, in the third phase of cultural program segment, highlight of the day was the Inclusive Play presented jointly by children from a premier English medium school along with children with Intellectual/hearing disabilities from AKJ which stole the show & captivated the audience. Children also enjoyed many amusements activities & snack stalls including bouncy swing, trampoline swing, balloon bursting, golgappas, candy floss, popcorn counter etc.

In the price distribution ceremony, invited esteemed guests & officials from education & social justice departments, district legal service authority, SAKSHAM, Vaish Samaj, Bharat Vikas Parishad encouraged the children by handing over prizes and pledging to support equal rights of persons with disabilities. These prominent social organizations were sensitized towards our

cause thus promoting inclusion in the community. Trainee educators from AKJ Institute of training & inclusive rehabilitation Nawalgarh & Subodh BEd College Sikar volunteered in the event and nursing students of Anupama Medical Training Institute provided medical services with First Aid Box. All the children were provided with participation gift, certificate and snacks. Day ended with sweet memories and fostering of new friendship with children vowing to take along their special buddy to the path of development. Feedback we received from non-disabled children validated our intended objectives of inclusion, sensitization of young citizens & showcasing talent of children with disabilities.

Event was widely covered in print and electronic media with due credit to **The Hans Foundation.**







INCLUSIVE CHILDREN FESTIVAL समावेशित बाल उत्सव



3 दिसम्बर 2024









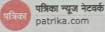


आयोजकः आशा का झरना

सीजन्यः द हंस फाउन्डेशन, नई दिल्ली

पुरस्कार पाकर खिले दिव्यांग बच्चों के चेहरे





सीकर. आशा का झरना व द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली की ओर से संभाग स्तरीय समावेशित वाल उत्सव का आयोजन गुरुवार को

शुरुआत जाट बाजार से दिव्यांगता जागरुकता रैली के साथ हुई। जो कल्याण सर्किल होते हुए एसके स्कूल मैदान पहुंची। जहां बच्चों के लिए 21 खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ बाल मेला आयोजित हुआ। जिसमें 66 में से 30 पुरस्कार दिव्यांग एसके स्कूल खेल मैदान में बच्चों ने हासिल कर प्रतिभा का आयोजित हुआ। कार्यक्रम की लोहा मनवााय। इस दौरान विभिन्न

स्टॉलों का भी बच्चों ने जमकर लुत्फ लिया। मेले में समसा एडीपीसी राकेश लाटा, सुदीप गोयल, भारत विकास परिषद जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, राजकीय आइटीआई कॉलेज उप निदेशक प्रशिक्षण सुनीत कुमार काजला, मोहित शर्मा, रतन लाल शर्मा, जीएल शर्मा, तरुणकुमार दुबे आदि मौजूद रहे।



आशा का झरना द्वारा बाल उत्सव का आयोजन

रवेका। अंतरहरेक रिम्पंत गार हिम्बर के अनाम पर बीद्विक हिम्बर व युक्त खींचा करूरों की लिखा एक पुत्रपीत में बार्यत्त त्रांमा आत वा प्रत्य द्वार द इस प्रारंशित न्हें रिजी के प्रीक्म से महरायोजना भी संस्थात के 210 जिलेक बर्क्स म १८ प्राचको वर्ष के उठकाते. विश्वालयों की 250 रहमाना करते के बीच रोबार स्त्रीय सम्बोधित बात उपन वा अवोचन गाम के स्थान जेल रेटर में बिम्म गया।

रिम्बरत राजस्था भी गारे कुरुम को प्राप्त: 10 करे सीकित पान्सी ये ब्रीवर रेप्ये , युव चर्चश अतिच , इतिकारित योगि , प्रतिकार क्षेत्रक लक्ष , प्रथम ये जनतात तर्य , जी तान राज्यी पान्य अपना का काम विशेषक वीबरा गरीय नेवल ने करिय बाबर ये ज्वान विरयः जिल्ला के तिल प्रयूप अविकार , ग्रामा बाराबरण की ज्ञान्तक , प्रमानेते तिहा , रेज्या न महत्व्य ग्रेक्ट्र तथा समाव को



राज्या समुद्राम की रिल्क्सों के प्रीत खरमक बाते हा तिले उटेशन हैंड फिल्मा सुबत्ती हैंड होते हुए एम के म्बल क्षेत्र मैदल में समय हो नहीं प भारत विश्वाप परिश्त के विश्वास्था रांगा आबात ने बच्चें का स्थापत भोपानेट रेसर मिला । एउसे: मैदान में विश्वार अधिकार अधिकार को अध्यक्षित 21 किस्टारमध्ये से अरस्य प्राथम को किस्ता पूर्ण के

प्रतिपंतिको तथ महोरका को पश्चिमियों प्रतित बात पेते का विद्या गमा प्रीत्वीरताओं ये समाग एवं वितेष बन्धों ने बड़ चहका अपनी धारीको निन्हों । कुल विकासक पुरस्कारों में से वीम पुरस्कार विकास बच्ची ने अपने तान कर मानिक कर दिया कि प्रतिका में ने भी फिरारी से बाद पड़ों है । सभी सनवें वो साध्यपित सरस्या प्रयुप्त पत्र जय मुक्तभार से चीहते हैंदे अने की अने इसीध प्रभार की बोल कर केच दिए या। अनुस्थ मेरिकल हैंदे हैंदे ने जिसस राजीका बाल के

डीस्ट्राट के जीवि प्रीवस्थिति व अवर्ष येको है । त्रांको प्रतेत प्रोतपद्म गोवा ने बच्चों व तिह प्रात पूर्व , पोपकोर्त , मुहित्व के कात अर्वीद सुद स्टील को कावाना में सकते। दिन क्तांत प्रक्रिया संस्था संस्थ विकास सुनेत सुबार सहस्ता ने मन्त्री के लिए सिंही पांचम , देपरोलीन , तत गर्ट , रिंग को आहि खेल की प्राचीना बिक्त । प्राचेश बीता बीता प्रतित्व प्रीवर के

किला में बारोबा के संयोजन में काचेत्र दिखा। देश विद्यालय क्षेत्रत के बच्चे ने अस का झान के रिच्छा बच्चों के पान मिलकर लगु गारिका की प्रातृति है । प्राप्त प्रयानका जान मुखा हुने ने राजी विश्वालयों को उन्होंत क्याच यह म सहस्रतिक man but star me fire i लिक्स अधिक क्रिकेट क्षेत्रक ने बसाव हिः संस्था हारा स्केबर जनलाह च होहा। रिभार क्षेत्र विशेष विद्यालये के उदान शोहपुर , रामध्य रोखान्यरों , खोला में राज्येप विद्यालये में राज्येतात तिथा क्रमानों की शुर आत भी नार्रधन पता से बों रहें है जहीं पा संस्थ इस लिए मिने निक्षक द्वार चौद्धिक दिस्पान व यह क्षेत्र मर्ख्य को पानी का रिस्त में जोग गय है।

एक रिमारीय उत्ताम का उद्देश्य विरोध जरूरों को प्रयान की महरनाए वे जीवन व समाय करते में उन्हें र्वेतर राम अगुपूर्ण म सरकोर को ध्यक्त बागुत करना है पुरस्थत, प्रध्यवेता थ प्रात्तिकरण धार्मात के मूल यह है ।